ओडिशा के 10 जिलों में स्किल इंडिया द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला का आयोजन

- रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए 36 से अधिक सैक्टरों, 500 से अधिक ट्रेडों और 100 से अधिक कंपनियों ने मेले में भाग लिया

21 जून 2022: रोजगार के अवसरों में सुधार और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने आज ओडिशा के 10 जिलों में प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला का आयोजन किया। प्रतिभागियों को 36 क्षेत्रों में 500 से अधिक ट्रेडों में शिक्षुता प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए गए।

जिनके पास 5वीं-12वीं कक्षा पास प्रमाणपत्र, कौशल प्रशिक्षण प्रमाणपत्र, आईटीआई डिप्लोमा या स्नातक डिग्री वाले व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मेले में 100 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। इच्छुक शिक्षुओं को ट्रेड के कई विकल्प दिए गए, जिनमें स्थानीय रूप से प्रासंगिक जॉब रोल्स जैसे वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, ब्यूटीशियन, मैकेनिक और अन्य ट्रेड शामिल हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य नियोक्ताओं को इन लक्षित जिलों से शिक्षुओं को नियुक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है और व्यापक कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी क्षमता का निर्माण करते हुए सही जॉब रोल्स की पहचान करने में उनकी सहायता करना है। इसके अलावा, उम्मीदवारों को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र प्राप्त होगा, जो रोजगार में वृद्धि सुनिश्चित करेगा, जिससे उन्हें अपने संबंधित डोमेन में उद्यमी बनने का अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेलों में भाग लेने वाले संगठनों को एक साझा मंच पर संभावित शिक्षुओं से मिलने और मौके पर ही उम्मीदवारों का चयन करने का अवसर मिला। इसके अलावा, कम से कम चार कर्मचारियों वाले लघु उद्योगों को भी इस कार्यक्रम में शिक्षुओं को नियुक्त करने का अवसर मिला। एक क्रेडिट बैंक अवधारणा भी जल्द ही पेश की जाएगी, जिसमें छात्रों द्वारा जमा किए गए विभिन्न क्रेडिट का भंडार होगा, जिसका उपयोग भविष्य के शैक्षणिक मार्गों के लिए किया जा सकता है।

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री अतुल कुमार तिवारी, विशेष सचिव, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय एवं महानिदेशक, प्रशिक्षण महानिदेशालय, ने कहा, "शिक्षुता मेला एक ऐसी पहल है जो योग्य व्यक्तियों को अपने करियर की संभावनाओं में सुधार करते हुए हाथों-हांथ उद्योग का अनुभव प्राप्त् करने अनुमति देती है। शिक्षुता सबसे टिकाऊ कौशल विकास मॉडल है क्योंकि यह मात्रा और गुणवत्ता दोनों के मामले में कौशल की मांग और आपूर्ति के बीच की खाई को पाटता है। शिक्षुता एक व्यक्ति को एक संगठन के बौद्धिक और भौतिक संसाधनों का उपयोग करने की अनुमति देती है ताकि शैक्षणिक शिक्षा के दौरान सामने आने वाली कमियों को दूर किया जा सके। हम भविष्य में इस तरह के और शिक्षुता मेलों के आयोजन की आशा करते हैं, जिससे युवा-उद्योग का जुड़ाव मजबूत होगा।

शिक्षुता मेलों के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए एक विशेष पहल की गई। इसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति के रूप में इसके महत्व और योगदान को उजागर करके, एकजुटता में राष्ट्र के समारोहों में शामिल होने के साथ-साथ अभ्यास में सार्वजनिक हित का निर्माण करना था।

आईटीआई कर्मचारी और उम्मीदवारों ने विभिन्न कार्यकलापों जैसे योग प्रदर्शन, डिजिटल कसरत सत्र, योग विशेषज्ञों के साथ परामर्श आदि में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न जॉब रोल्स के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई, जो विश्व स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर मांग में हैं, जैसे योग प्रशिक्षक, योग चिकित्सक, योग सलाहकार और योग एरोबिक्स प्रशिक्षक।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के बारे में

एमएसडीई का गठन 9 नवंबर 2014 को भारत सरकार द्वारा कौशल की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, एमएसडीई ने नीति, रूपरेखा और मानकों को औपचारिक रूप देने के संदर्भ में महत्वपूर्ण पहल और सुधार किए हैं जैसे नए कार्यक्रमों और स्कीमों का शुभारंभ; नए बुनियादी ढांचे का निर्माण और मौजूदा संस्थानों का उन्नयन; राज्यों के साथ भागीदारी; उद्योगों से जुड़ना और कौशल के लिए सामाजिक स्वीकृति और आकांक्षाओं का निर्माण करना आदि शामिल है। इसका उद्देश्य न केवल मौजूदा नौकरियों के लिए बल्कि सृजित नौकरियों के लिए भी नए कौशल और नवाचार के निर्माण के लिए कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच की खाई को पाटना है। स्किल इंडिया के तहत अब तक 5.5 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

अधिक जानकारी के लिए: https://www.msde.gov.in/